

(f. त्री) ; (3) शास्त्र (f. स्त्री) or शासितृ (f. त्री),
Vi. iii. 34.

PUNISHMENT : (1) दण्डः, *wise men consider p. to be virtue* : दण्डं धर्मं विदुर्बुधाः, M. vii. 18. ; *to inflict p. on those who deserve it* : दण्डं दण्ड्येषु प्रणयति, 20. ; *or rarely पातयति*, B. iv. 32. ; *to award p. (fine)* : दण्डं दापयति, V.s. ; *corporeal p.* : शरीरो दण्डः, Mr. ix. ; *ignoble p.* : निकारदण्डः, Mr. ix. ; (2) दमः (rare : of fines), M. N.B. Legal writers use उत्तमसाहसम् (=highest p.), मध्यमसाहसम् (=intermediate p.), प्रथमसाहसम् (=first or lowest p.).

PUNITIVE : expr. by comp. or circumlo. : v. Punishment.

PUNSTER : श्लेषपरिहासवादिन् (f. नी) and sim. comp.s. (?).

PUNT : (1) तरावुः ; (2) तरान्धुः : v. Also boat.

PUNY : क्षुद्र (f. द्रा) : v. Small.

PUP (subs.) : कुक्कुरशवः, -कः : v. Puppy.

PUP (v.) : expr. with सूते, प्र-, (सू, c. 2.) जनयति (जन्, c. 10.) or उत्पादयति (c. of पद्) and शवम्, -कम्, etc. (=young).

PUPIL (subs.) : I. Of the eye : (1) तारका ; (2) कनीनिका. II. A scholar : (1) शिष्य (f. व्या), *should teach Brahmin p. s.* : अध्यापयेद्दिज्ञानं शिष्यान्, Pa. ; *your p. Mālavikā* : शिष्या बो मालविका, Māl. ; (2) छात्र (f. त्री), *hostel for p.s.* : छात्रनिलयः, Va. com. ; (3) अन्तेवासिन् (f. नी) (rare), Ma.

PUPILAGE : I. Lit. : (1) शिष्यत्वम् ; (2) शिष्यावस्था ; (3) अन्तेवासित्वम्. II. Boyhood : q.v. : शिशुत्वम्.

PUPPET : I. Lit. : (1) पुतली (लिका) ; (2) पञ्चाली (लिका) ; (3) पुत्रिका ; (4) शालमञ्जी (झिका : rare) ; II. Fig. : क्रीडनकम् (=play-thing).

PUPPET-SHOW : *पञ्चालीदर्शनम् ; पुतलिकाभिनयः ; and sim. comp.s.

PUPPY : I. Lit. : (1) कुक्कुरशवः, -कः ; (2) कुक्कुरशिशुः ; (3) बालकुक्कुरः (f. री) ; (4) कुक्कुरडिम्भः (f. म्मा) ; II. Fig. : of men : perh. वानरः or मर्कटः (=monkey).

PURCHASABLE : (1) क्रय (f. या) ; (2) क्रय्य (f. व्या) ; (3) क्रय्य (f. व्या).

PURCHASE (v.) : क्रीणाति or क्रीणीते (क्री, c. 9.), *if a purchaser, after p. ing a commodity considers it to be a bad bargain* : क्रीत्वा मूल्येन यत्पण्यं दुष्क्रीतं मन्यते क्रीयी, N.s. ; *do you p. Pandits with thousands of fools* : कच्चित् सहस्रैर्मूर्खानामेकं क्रीणासि पण्डितम्, Mah. ii. 5. 84. : v. Also to buy.

PURCHASE (subs.) : I. The act. : क्रयः (rarely परि-, सं-, उप-). II. The thing bought : expr. with क्रीत (f. ता). III. Power : q.v.

PURCHASE-MONEY : (1) क्रयमूल्यम् ; (2) मूल्यम् : v. Price.

PURCHASER : (1) क्रेतृ (f. त्री) ; (2) क्रयिन् (f. णी) ; (3) क्रयिक (f. का).

PURE : I. Unmixed, unalloyed : शुद्ध (f. द्रा), वि-, *with hilts of p. ivory* : शुद्धदन्तत्सर (mfn.), Mah. ii. 51. 16. ; *p. gold* : शुद्धं सुवर्णम्, Bha. II. Clear, clean : q.v. : शुद्ध (f. द्रा), वि-, *but on the p. surface of a mirror* : शुद्धे तु दर्पणतले, Sa. vii. III. Spotless, chaste : (1) शुद्ध (f. द्रा), वि-, *internally p.* : अन्तःशुद्ध (f. द्रा), Me. ; *p. fame* : विशुद्धयशस्, D. ; (2) शुचि (mfn.), *p. knowledge* : शुचि श्रुतम्, Ki. ii. 32. IV. Of language : शुद्ध (f. द्रा), वि-, Ki. V. Mere : q.v. : शुद्ध (f. द्रा), *from a p. desire for children* : शुद्धसन्तानकामैः, R. xviii. 53. Ph. : *to become p.* : शुध्यति (शुध्, c. 4.) ; *or पूयते* (pass. पू).

PURELY : शुद्धम् or gen. शुद्ध- in comp. : v. Chastely, surely, clear.

PURENESS : शुद्धता : v. Purity.

PURGATION : (1) शोधनम् (in every sense), *to practise p.* : शोधनं शीलयति, Bha. ; (2) रेचनम् (in medical sense).

PURGATIVE : I. Subs. : विरेचनम् (कम्), Bha. II. Adj. : (1) शोधन (f. नी) ; (2) शोधक (f. धिका) ; (3) रेचन (f. नी), वि-, or रेचक (f. चिका), वि- (in medical sense).

PURGATORY : यमलोकः : v. Also hell.

PURGE (subs.) : I. The act. : शोधनम्. II. A purgative : विरेचनम्.

PURGE : (1) शोधयति (c. of शुध्, in every sense), *how to p. gold* : स्वर्णस्य शोधनविधिः, Bha. : v. To purify, clear ; (2) रेचयति, वि-, (c. of रिच् : in medical sense), Bha.